21–02–2019

मातृभाषा दिवस मनाकर अपनी–अपनी माँ – बोली के प्रति सम्मान का भाव

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के "हिन्दी साहित्य परिषद्" के तत्वावधान में "अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस" के अवसर पर 15 विद्यार्थियों द्वारा अपनी–अपनी मातृभाषा में कविताएं व गीत प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने ब्रज, हरियाणवी, पंजाबी, राजस्थानी में कविता व गीत गाकर न केवल अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त किया वरन् श्रोताओं को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर बी.ए. की छात्राओं द्वारा "साझा सीर" नामक हरियाणवी नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें हरियाणवी की संस्कृति की झलक दिखाते हुए संयुक्त परिवार व परिवार की एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम की संचालिका हिन्दी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य अपनी माँ बोली के प्रति आदर का भाव जागृत करने के साथ–साथ अन्य बोलियों व भाषाओं के प्रति भी सम्मान का भाव जगाना है। विविध भाषाओं वाले देश भारत में प्रत्येक भाषा का अपना सौंदर्य है। भाषा के विद्यार्थी ऐसे आयोजनों से बहुत कुछ सीखते हैं।

इस कार्यक्रम में उपस्थित अंग्रेज़ी विभागाध्यक्षा श्रीमती कमल टंडन ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना कर उन्हें प्रोत्साहित किया। मंच संचालन हिन्दी साहित्य परिषद् की वंदना व मधु सिंगला ने अत्यन्त कुशलता से किया। इस कार्यक्रम में डॉ. अशोक निराला, डॉ. रेणु माहेश्वरी, डॉ. बाँके बिहारी, श्रीमती रितु, डॉ. सारिका, डॉ. इनायत और डॉ. आर.पी. शर्मा उपस्थित थे। इस आयोजन से 120 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।